मूल्य 1 रु. | वर्षः 9 - अंक : 191, मुंबई, बुधवार, 9 अक्टूबर, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

आतंक के 'रावण' का होगा दहन

राज भवन में एसआरपीएफ कांस्टेबल ने खुद को गोली मारी

संवाददाता/मुंबई। यहां राज भवन में तैनात राज्य रिजर्व पुलिस बल (एसआरपीएफ) के एक कांस्टेबल ने खुद को अपनी सर्विस रायफल से कथित तौर पर गोली मार ली। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

'5 साल में कभी गठबंधन को धोखा नहीं दिया'

सरकार गिराने की साजिश नहीं की

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि 5 साल के दौरान कभी भी सरकार को गिराने के लिए साजिश नहीं की। उद्धव ने कहा कि हम महाराष्ट्र सरकार में रहे, गठबंधन में होने के बावजूद हमारे पास उतनी ताकत नहीं थी पर हमने कभी भी सरकार को धोखा नहीं दिया। आगामी विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 288 सीटों में से भाजपा 150 और शिवसेना 124 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

'महाराष्ट्र को बेहतर सरकार मिलेगी'

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों पर उन्होंने कहा कि अगर भाजपा और शिवसेना गठबंधन दोबारा सत्ता में आता है तो महाराष्ट्र को ज्यादा बेहतर सरकार और सुशासन मिलेगा। उद्धव ने मौजूदा गठबंधन सरकार के बारे में कहा- क्या मैंने सरकार को गिराने के लिए साजिश रची या उसे धोखा दिया.. नहीं। पिछले 5 साल के दौरान हम गठबंधन में रहे, जबकि हमारे पास कोई ताकत नहीं थी। हमारे बीच मतभेद थे और जब भी मुझे लगा कि कुछ गलत हो रहा है तो मैंने आवाज उठाई। गठबंधन में बने रहने के लिए भाजपा और शिवसेना दोनों को ही सावधानियां बरतनी होंगी।

मिला राफेल, राजनाथ ने की पूजा

भारत को मिलने वाले पहले राफेल का नाम वायुसेना प्रमुख आरकेएस भदौरिया के नाम पर 'आरबी 001' रखा गया

पेरिस। फ्रांस ने मंगलवार को मेरिनेक एयरबेस पर भारत को पहला राफेल फाइटर जेट सौंपा। हैंडिंग ओवर सेरेमनी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ले और दैसो एविएशन के सीईओ एरिक ट्रैपिए मौजूद थे। सेरेमनी में राजनाथ ने कहा- फेल का अर्थ आंधी होता है, मुझे उम्मीद है कि यह अपने नाम को साबित करेगा। भारत-फ्रांस के बीच हुए 59,000 करोड़ रुपए के राफेल सौदे और एयरक्राफ्ट की खूबियों को लेकर एक वीडियो प्रेजेंटेशन भी दिया गया। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

2016 में डील हुई थी

राफेल लड़ाकू विमान डील भारत और फ्रांस की सरकार के बीच सितंबर 2016 में हुई थी। इसमें वायुसेना को 36 अत्याधुनिक लड़ाकू विमान मिलेंगे। यह सौदा 7.8 करोड़ यूरो (करीब 58,000 करोड़ रुपए) का है। कांग्रेस का दावा है कि यूपीए सरकार के दौरान एक राफेल फाइटर जेट की कीमत 600 करोड़ रुपए तय की गई थी। मोदी सरकार के दौरान एक राफेल करीब 1600 करोड़ रुपए का पड़ेगा। भारत अपने पूर्वी और पश्चिमी मोर्चों पर वायुसेना की क्षमता बढ़ाने के लिए राफेल ले रहा है। वायुसेना राफेल की एक-एक स्क्वॉड्रन हरियाणा के अंबाला और पश्चिम बंगाल के हशीमारा एयरबेस पर तैनात करेगी।

बीड में बोले अमित शाह- धारा 370 ने देश को एक करने का काम किया

संवाददाता / मुंबई। मंगलवार को विजयदशमी के मौके पर महाराष्ट्र के बीड में पंकजा मुंडे की ओर से दशहरा रैली का आयोजन किया गया था। इसमें गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए। रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि गोपीनाथ मुंडे जी ने गन्ना कटाई मजदूरों और चीनी कारखानों में काम करने वाले मजदूरों के लिए पूरा जीवन लगाया था। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

स्क्रूड्राइवर से बिल्ली को मारने पर कोर्ट ने लगाया 9 हजार का जुमार्ना

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने चेंबूर के एक 40 साल के शख्स को एक बिल्ली की निर्मम हत्या के आरोप में दोषी पाते हुए पशु क्रूरता रोकथाम अधिनियम के तहत उस पर 9,150 रुपये का जुमार्ना लगाया है। अदालत ने संजय गढ़े को मई 2018 में अपने घर के बाहर एक बिल्ली को स्क्रूड्राइवर से गोदकर मारने के आरोप में यह सजा सुनाई है।

पिछले साल हुई इस घटना के बाद संजय गढ़े का वह फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसमें उसने मरी हुई बिल्ली को एक डंडे से लटका रखा था। चूंकि संजय ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था इसलिए किसी की गवाही की जरूरत नहीं पड़ी। संजय ने अपना अपराध स्वीकारते हुए कम से कम सजा देने का अनुरोध किया था। इसके बाद अदालत ने अपने आदेश में कहा, 'अभियुक्त ने माना है कि उसने बिल्ली पर अत्याचार किया और उसकी हत्या की। इसलिए वह कानून सजा का हकदार है।' संजय गढे.का कहना था कि उसने गुस्से में ऐसा किया क्योंकि बिल्ली ने उसका घर गंदा कर दिया था। गढ़े पर सबूत नष्ट करने, जानवर पर अत्याचार करने और गड़बड़ी फैलाने जैसे कई इलजाम थे। लेकिन कोर्ट ने उसे जेल नहीं भेजा। कोर्ट का कहना था, 'अभियुक्त शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार है। इसलिए सजा सुनाते समय उसके साथ नरमी बरती गई है।' पुलिस ने गढ़े पर जो धाराएं लगाईं थीं उनके तहत उसे अधिकतम दो साल तक की जेल हो सकती थी। गढ़े चेंबूर के इंदिरानगर का रहने वाला है और बेरोजगार है। यह घटना 14 मई साल 2018 को दोपहर 1:30 बजे हुई। उसे अपने घर के बाहर एक लकड़ी के डंडे पर बिल्ली का शव लटकाए देखा गया था। पशु अधिकार कार्यकर्ता निराली कोराडिया ने इसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इस साल 30 सितंबर को गढ़े ने वकील के जरिए अदालत में अपील की थी कि वह अपना अपराध स्वीकार करना चाहता है।

भिखारी की मौत के बाद झोपड़ी से मिले थे 10 लाख रुपये, दावे के लिए सामने आए बेटे

मुंबई। पिछले दिनों मुंबई में जिस भिखारी की मौत के बाद उसके घर से करीब 10 लाख रुपये की जमा-पूंजी मिली थी, अब उसके पांचों बेटे शव और पैसों पर दावा करने आगे आए हैं। बता दें कि भिखारी की पिछले दिनों गोवंडी स्टेशन के पास ट्रेन से कटकर मौत हो गई थी। इसके बाद उसके घर से 1.77 लाख रुपये के सिक्के और 8.77 लाख रुपये के फिक्स्ड डिपॉजिट के पेपर्स मिले थे। शुक्रवार करीब 9 बजे, बिरभीचंद आजाद गोवंडी स्टेशन के पास ट्रैक पार कर रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रेन ने उन्हें कुचल दिया। इससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। जीआरपी पुलिस ने शव की पहचान की और उसे लेकर टाटा नगर स्थित झुग्गी बस्ती स्थित भिखारी के झोपड़े में पहुंचे। अंदर का नजारा देखकर पुलिसवालों की आंखें फटी रह गई। झोपड़ी सिक्कों से भरी पड़ी थी। पुलिस को भिखारी के घर से 1.77 लाख रुपये के सिक्के और 8.77 लाख रुपये के फिक्स्ड डिपॉजिट के पेपर्स मिले। भिखारी ने पैन कार्ड, आधार कार्ड और सीनियर सिटिजन कार्ड भी बनवा रखा था। भिखारी की झोपड़ी में इतनी दौलत देखकर पुलिस भी हैरान रह गई। चार बैगों में भरकर रखे गए सिक्कों को गिनने में भी पुलिस को छह घंटे लगे। पुलिस को कुछ कागजात भी मिले थे जिसमें उनका पता राजस्थान दिया था। इसके बाद उन्होंने राजस्थान पुलिस से भिखारी के परिवार को सूचित करने की गुजारिश की। भिखारी के दो बेटों ने वाशी जीआरपी से संपर्क किया। पुलिस ने बताया कि भिखारी के चार बेटे तल्लिया सरनेम का इस्तेमाल करते हैं जबकि पांचवां बेटा अपने पिता का सरनेम इस्तेमाल करता है। एक बेटा मुंबई में जबकि बाकी चारों राजस्थान में रहते हैं। आजाद की पत्नी मैथीदेवी राजस्थान में अपने एक बेटे के साथ उसके घर में रहती हैं।

उद्धव ठाकरे ने किया 10 रुपये में खाने और बिजली में छूट का वादा

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावी माहौल में हुई शिवसेना की दशहरा रैली में शिवसेना पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राम मंदिर से लेकर 370 तक पर खूब दहाड़ लगाई। बीजेपी के साथ सीट बंटवारे पर भी उन्होंने सफाई दी। लगे हाथ ठाकरे ने चुनावी घोषणा पत्र के कुछ वादे भी कर डाले। ठाकरे ने 10 रुपये में भरपेट खाना और 300 यूनिट तक बिजली का उपयोग करनेवालों के बिलों में 30 प्रतिशत छूट देने वादा किया। इसके अलावा एक समृद्ध महाराष्ट्र बनाने के लिए गांवों में वन रुपी स्वास्थ्य केंद्र शुरू करने का वादा भी किया।

दशहरा रैली में शिवसेना ने जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन किया। शिवाजी पार्क पर आयोजित रैली में राज्यभर से बड़ी संख्या में शिवसैनिक आए। इस मौके पर उद्धव ठाकरे ने दिवंगत बालासाहेब ठाकरे को याद करते हुए एक बार फिर विधानसभा पर भगवा लहराने की अपील की। ठाकरे ने कहा कि आज पहली विजयादशमी है और 24 तारीख को

चुनाव परिणाम निकलने पर दूसरी होगी।

उद्धव ने राम मंदिर का मुद्दा छेड़ते हुए मोदी सरकार से अपील की कि अगर विशेष कानून बनाना पड़े, तो बनाएं, लेकिन राम मंदिर का निर्माण करे। हम इस मांग पर कायम हैं कि अयोध्या में भगवान राम का भव्य व विशाल मंदिर बने। सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर बनाने का फैसला दिया, तो ठीक है, वरना विशेष कानून बनाकर राम मंदिर बनाने की मांग पर शिवसेना अडिग है।

नहीं झुकी शिवसेना

बीजेपी के साथ गठबंधन और सीट बंटवारे पर उद्धव ने कहा कि अगर किसी को लगता है कि महायुति के लिए शिवसेना झुकी है, तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता चंद्रकांत पाटील ने विनती की थी कि हमारी परेशानी समझें। जो लोग सीट बंटवारे को लेकर टिप्पणी कर रहे हैं, उनसे मेरा सवाल है कि अगर बीजेपी को समर्थन नहीं दें, तो किसे दें? क्या 370 हटाने का विरोध करने वाली कांग्रेस को समर्थन दें? राज्य में बीजेपी और शिवसेन युति जनता ने स्वीकार किया है।

बदले की राजनीति मंजूर नहीं

उद्धव ने कहा कि बदले की राजनीति जो भी करेगा, उसे माफ नहीं करूंगा। ठाकरे ने याद दिलाया कि वर्ष 2000 में क्या हुआ था? बालासाहेब ठाकरे को गिरफ्तार करने का दबाव बनाया था। क्या उस वक्त बदले की राजनीति नहीं हो रही थी?

बच्चे के यौन उत्पीड़न और हत्या में मिली उम्रकैद, 7 साल बाद हाई कोर्ट ने किया बरी

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने अपने एक फैसले से सभी को चौंका दिया। कोर्ट ने एक 10 साल के बच्चे का यौन उत्पीड़न करने और हत्या के दोषी शख्स को उम्रकैद की सजा पाने के सात साल बाद बरी कर दिया। वैभव मोरे पर आरोप था कि अक्टूबर 2010 को वह बगल में रहने वाले एक 10 वर्षीय बच्चे को अपने साथ ले गया और उसके साथ अप्राकृतिक दुराचार करने के बाद उसकी हत्या कर दी।

अपने फैसले में हाई कोर्ट के जज बीपी धर्माधिकारी और स्वपन जोशी ने न सिर्फ वैभव को बरी किया, बल्कि जिस तरह इस मामले में अभियोजन पक्ष ने काम किया उसको लेकर भी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, 'इस मामले में अभियोजन का पक्ष ठोस और तर्कसंगत नहीं लगता। पूरा घटनाक्रम भी संदिग्ध है और इसे भी अभियोजन मजबूती से साबित नहीं कर सका है।'

महाराष्ट्रः सहयोगी दलों के नेताओं को तोड़ रही बीजेपी, मुश्किल में पार्टियां

मुंबई। मुंबई के भुसावल में रविवार रात बीजेपी के एक पार्षद रवींद्र खरात और उनके परिवार के तीन सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनके अंतिम संस्कार में बीजेपी नेताओं से ज्यादा रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले समूह) के कार्यकताओं की संख्या थी। यहां तक कि आरपीआई (ए) के अध्यक्ष रामदास अठावले भी अपने आधिकारिक कार्यक्रमों को स्थगित कर उन्हें श्रद्धांजलि देने भुसावल पहुंचे थे।

रवींद्र खरात भुसावल म्यूनिसिपल चुनाव में बीजेपी के टिकट पर पार्षद चुने जाने से पहले लंबे समय तक आरपीआई (ए) के सदस्य थे। बीजेपी और आरपीआई (ए) महाराष्ट्र में सहयोगी पार्टियां हैं और आरपीआई (ए) ने जब भुसावल सिविक पोल में सीट की मांग की तो बीजेपी ने इस सीट को सिर्फ एक शर्त पर आरपीआई को दिया था कि रवींद्र बीजेपी के चुनाव चिह्न पर लड़ेंगे। इस कदम से बीजेपी के लिए दो चीजें पक्की हुईं। पहली, पार्टी के चुनाव चिह्न पर लड़ने वाला उम्मीदवार अपने आप उनकी पार्टी में आ गया और दूसरा, इससे बीजेपी की ताकत बढ़ने का संदेश गया। पार्टी लंबे समय से सरकार में शामिल अपने ही सहयोगी दलों के सदस्यों को सुनियोजित ढंग से अपने पाले में लाती रही है।

जिस सहयोगी को कमल निशान पर लड़ाया, वह बीजेपी का ही हो गया। उदाहरण के लिए सदाभाऊ खोट को स्वाभिमानी सेतकारी संगठन (एसएसएस) के प्रेसिडेंट राजू शेट्टी का विश्वासपात्र और उनका पुराना सहयोगी माना जाता था। वह देवेंद्र फडणवीस सरकार में एसएसएस कोटे से मंत्री भी बने थे। हालांकि 2017 में सदाभाऊ एसएसएस से इस्तीफा देकर बीजेपी में शामिल हो गए। शेट्टी के समर्थक दावा करते हैं कि बीजेपी के संपर्क में आने के बाद सदाभाऊ का पार्टी को लेकर रवैया बदल गया था और उन्हें पाला बदलने में ज्यादा समय नहीं लगा। इससे नाराज शेट्टी ने इसके तुरंत बाद केंद्र और राज्य की बीजेपी-शिवसेना सरकार से खुद को

मुलुंड में मराठी बनाम गुजराती की चुनौती

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों में से मुलुंड विधानसभा क्षेत्र भाजपा के लिए सर्वाधिक सुरक्षित सीटों में से एक मानी जाती है। इसलिए यहां से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटील का नाम भी उम्मीदवारी के लिए चल रहा था। पिछले 20 साल से इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व सरदार तारा सिंह करते आ रहे हैं। उम्र के कारण उनका टिकट काटकर भाजपा ने मिहिर कोटेचा को उतारा है। गुजराती सांसद और उस पर गुजराती को विधानसभा की उम्मीदवारी देने से मराठी बनान गुजराती हो चला है। वैसे, हालिया लोकसभा चुनाव में यहां से भाजपा के मनोज कोटक को 1,27,667 वोट जबकि दूसरे नंबर पर रहने वाले कांग्रेस-राकांपा गठबंधन के उम्मदीवार संजय पाटील को 40,484 वोट मिले। अब संजय पाटील राकांपाई से शिवसैनिक बन गए हैं।

सन 1990 में पहली बार यहां से भाजपा के वानमराव परब ने विधानसभा चुनाव जीता। उसके बाद इस विधानसभा पर भाजपा का कमल ही खिलता रहा है। किरीट सोमैया 1995 में विधायक चुने गए। 1984 से लगातार नगरसेवक चुने जाते रहे सरदार तारा सिंह 1999 में पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा। उन्होंने यहां के मतदाताओं को मोह लिया। मुलुंड विधानसभा में शायद ही ऐसा कोई क्षेत्र अछूता रहा हो, जहां सरदार तारा सिंह के विकास कार्य का बोर्ड न दिखाई दे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

ब्याज समेत मिलेगा मुआवजा

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, बुधवार
9 अक्टूबर, 2019

कणकवली में भाजपा-शिवसेना आमने-सामने

राणे परिवार से अदावत ने आसपास की सीटों पर भी बढ़ाया विवाद

मुंबई। विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सभी राजनैतिक दलों ने जोर लगा दिया है। लेकिन, प्रदेश में भाजपा-शिवसेना के बीच दिनोंदिन तल्ख होते रिश्ते पार्टी नेताओं और प्रत्याशियों में बैचेनी बढ़ा रहे हैं। अब नया मोड़ सिंधुदुर्ग की कणकवली सीट पर प्रत्याशी खड़ा करने को लेकर है। गठबंधन में यह सीट भाजपा के खाते में है। यहां भाजपा प्रत्याशी के सामने शिवसेना ने भी उम्मीदवार उतारकर विवाद को और बढ़ा दिया है। फिलहाल, दोनों पार्टियों के प्रत्याशी चुनाव प्रचार-प्रसार में जुटे हैं। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बीच एनडीए में शामिल शिवसेना कई मुद्दों को लेकर भाजपा पर हमलावर है। इसमें सबसे प्रमुख आरे का जंगल काटे जाना और राकांपा प्रमुख शरद पर ईडी की कार्रवाई है। इस बीच शिवसेना ने भाजपा प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे के बेटे नितेश राणे के खिलाफ सतीश सावंत को उम्मीदवार के रूप में उतारकर मुश्किलें बढ़ा दीं। सोमवार को नामांकन वापसी का आखिरी दिन था लेकिन शिवसेना के उम्मीदवार ने पर्चा वापस नहीं लिया। यह सीट राणे परिवार का गढ़ मानी जाती है लेकिन शिवसेना के उम्मीदवार के आ जाने से दोनों पार्टियों को दिक्कत होना तय है।

इसलिए विरोध कर रही है शिवसेना

शिवसेना का कणकवली सीट से भाजपा प्रत्याशी नितेश राणे का विरोध करने के पीछे एक पुराना इतिहास भी है। दरअसल, नितेश के पिता नारायण राणे पहले शिवसेना में थे, लेकिन 2005 में उन्होंने शिवसेना को छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया था। उन्होंने 2017 में कांग्रेस को छोड़ने के बाद स्वाभिमान पक्ष के नाम से अपनी पार्टी बनाई और फिर भाजपा में विलय कर दिया। भाजपा ने नारायण राणे को राज्यसभा भेजा।

भाजपा ने कई बार किया विवाद को टालने का प्रयास

माना जा रहा है कि इसी पुरानी राजनैतिक अदावत की वजह से भाजपा ने पहली दो सूची में नितेश को प्रत्याशी घोषित नहीं किया। वहीं, नितेश के खिलाफ मैदान में उतरे सतीश सावंत पहले नारायण राणे की स्वाभिमान पार्टी के कार्यकर्ता थे। वह चुनाव से ठीक पहले शिवसेना में शामिल हुए हैं। शिवसेना का प्रत्याशी उतरने से नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं ने पड़ोस की दो सीटों पर शिवसेना के प्रत्याशियों का विरोध शुरू कर दिया है।

आरे के बहाने भाजपा के खिलाफ लगातार हमलावर: एनजीटी और मुंबई हाईकोर्ट के फैसले के बाद मेट्रो की सेवा शुरू करने को लेकर 2647 पेड़ों की कटाई का काम शुरू होने और स्थानीय लोगों के विरोध के बाद शिवसेना ने कोर्ट समेत प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री पर सीधा हमला किया। सामना में लिखे लेख में कहा गया है कि आरे में रातोंरात पेड़ काटे गए लेकिन इस पर न तो पीएम को रोना आया और न ही मुख्यमंत्री परेशान हुए। यह भी आरोप लगाया कि पेड़ को वोट देने का अधिकार नहीं है तो क्या उनकी हत्या कर देनी चाहिए?

सिंगल यूज प्लास्टिक बैन के औचित्य पर भी उठाए सवाल: इससे पहले शिवसेना के युवा सेना प्रमुख आदित्य ठाकरे ने कई ट्वीट कर पूछा कि एक तरफ तो केंद्र सरकार प्लास्टिक बैन कर रही है। दूसरी तरफ आरे में बड़ी संख्या में हरे पड़ों की कटाई की जा रही है।

10 लाख की कोकेन के साथ नाइजीरियन गिरफ्तार

मुंबई। पालघर क्राइम ब्रांच की वसई यूनिट ने रविवार देर रात विरार (पूर्व) के मनवेलपाडा इलाके में 10 लाख रुपये की कोकेन के साथ एक नाइजीरियन युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस एनडीपीएस के तहत मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, क्राइम ब्रांच की वसई यूनिट को रात डेढ़ बजे गुप्त सूचना मिली कि मनवेलपाडा स्थित मोहक सिटी के पास एक नाइजीरियन युवक कोकेन बेचने आने वाला है। सूचना के बाद वसई यूनिट ने जाल बिछाकर चिमा इबे इव्हे (26) को हिरासत में लेकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 100 ग्राम कोकेन जब्त की गई, जिसकी कीमत लगभग 10 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार नाइजीरियन युवक नालासोपारा (पूर्व) प्रगति नगर इलाके में किराए के फ्लैट में रहता है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

आतंक के 'रावण' का होगा दहन

राजनाथ ने एयरबेस पर ही राफेल में लगे हथियारों की पूजा भी की। राजनाथ ने राफेल में उड़ान भरी। इससे पहले राजनाथ ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से भी मुलाकात की। भारत को मिलने वाले पहले राफेल का नाम वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया के नाम पर 'आरबी 001' रखा जाएगा। भदौरिया ने ही राफेल सौदे में अहम भूमिका निभाई है। राफेल में मीटियर और स्काल्प मिसाइलें लगी हैं, इससे भारतीय वायुसेना को अद्वितीय मारक क्षमता हासिल होगी। इससे पहले राजनाथ ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से भी मुलाकात की। वायुसेना के वाइस चीफ एयर मार्शल एचएस अरोड़ा भी रक्षा मंत्री के साथ थे। आज विजयादशमी है और भारतीय वायुसेना दिवस है। आज का दिन प्रतीकात्मक है। राफेल एयरक्राफ्ट की डिलिवरी निर्धारित समय से हो रही है और यह वायुसेना की शक्ति में वृद्धि होगी। हमारा फोकस वायुसेना को समृद्ध करने और उसे बढ़ाने पर है। उम्मीद है कि फ्रांस द्वारा सभी 36 राफेल और वेपन सिस्टम की डिलिवरी समयसीमा के भीतर की जाएगी। मैं फ्रांस के सहयोग का शुक्रगुजार हूं, जो सुरक्षा और अन्य मामलों में भी भारत के लिए महत्वपूर्ण है। विश्व के दो बड़े लोकतंत्रों के बीच सहयोग बढ़ता रहेगा और हम रक्षा के साथ पर्यावरण संतुलन स्थापित करने में भी कामयाब होंगे। थोड़ी ही देर में मैं राफेल एयरक्राफ्ट से उड़ान भरूंगा। यह हमारे लिए सम्मान की बात होगी। भारतीय सेना के बहुत से अधिकारियों ने फ्रांस में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। मुझे उम्मीद है कि उन्हें यहां जरूरी ज्ञान और पेशेवर विशेषज्ञता हासिल होगी। आज का दिन भारत और फ्रांस के रिश्तों में ऐतिहासिक है। राफेल का अर्थ आंधी होता है, मुझे उम्मीद है कि यह अपने नाम को साबित करेगा। राजनाथ तीन दिन के दौरे पर फ्रांस में हैं। उन्होंने सोमवार को ट्विटर पर कहा था कि भारत फ्रांस के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं। हाल के वर्षों में भारत-फ्रांस के द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आई है। दोनों देशों के रिश्ते को और गहरा करना है।

5 साल में कभी गठबंधन को धोखा नहीं दिया...

आदित्य ठाकरे वर्ली से चुनाव लड़ेंगे। यह पहली बार है, जब ठाकरे परिवार का कोई सदस्य चुनाव में उतरा है। उद्धव ने पार्टी के मुखपत्र सामना से कहा- गठबंधन में रहने के दौरान अगर रफ्तार ज्यादा ही तेज हो रही है तो दोनों दलों को सावधानी बरतनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं होता तो इसकी वजह से हादसा हो सकता है। उद्धव ने आरे कॉलोनी में पेड़ काटे जाने का विरोध किया। शिवसेना प्रमुख ने कहा- हम मेट्रो कार शेड के विरोध में नहीं हैं, लेकिन हम उस जगह के चयन के विरोध में हैं, जहां इसे बनाया जाना है। विकास लोगों को परेशानी में डालकर नहीं किया जाना चाहिए। शिवसेना हमेशा ही उन मुद्दों पर आवाज उठाती रहेगी, जो लोगों से जुड़े हैं। इससे पहले सामाना से बातचीत में उद्धव ने कहा था- मुख्यमंत्री पद पर शिवसैनिक को बैठाकर दिखाऊंगा, ये मेरा शिवसेना प्रमुख को वचन है। आदित्य ने चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। इसका मतलब यह नहीं है कि मैंने राजनीति से संन्यास ले लिया है। मैं खेती करने भी नहीं जाऊंगा। मैं हूं। और रहूंगा।

बीड में बोले अमित शाह- धारा 370....

पंकजा मुंडे भी उसी रास्ते पर चल रही हैं। उन्होंने आगे कहा, मोदी सरकार वंचितों, शोषितों और ओबीसी समाज के लिए भगवान बाबा के रास्ते पर चलने का काम किया है। आप सबने नरेन्द्र मोदी जी को 300 सीटें दी। मोदी जी ने 5 महीने में अनुच्छेद 370 हटाने का काम किया। आज उनके सम्मान में 370 राष्ट्र ध्वज लेकर राष्ट्रभक्त यहां खड़े हैं। नरेन्द्र मोदी जी ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाकर पूरे देश को राष्ट्रभक्ति के धागे से एक करने का काम किया है। शाह ने आगे कहा कि, मोदी जी के नेतृत्व में देश दिन दूनी रात चौगुनी प्रगति कर रहा है। वंचितों के विकास के लिए जो बाबासाहेब आंबेडकर जी की कल्पना थी उसी तरह मोदी सरकार काम कर रही है। मोदी सरकार ने ओबीसी समाज को संवैधानिक दर्जा देने का काम किया है और ओबीसी समाज के लिए संवैधानिक आयोग की रचना का काम किया है। नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश भर के वंचित समाज और ओबीसी समाज के लिए भाजपा आगे बढ़ रही है।

राज भवन में एसआरपीएफ कांस्टेबल...

एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि कान्स्टेबल ने सोमवार की शाम को खुद को गोली मारी जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां उसका इलाज जारी है।उन्होंने बताया कि राज्यपाल निवास पर तैनात एसआरपीएफ की 16वीं कोल्हापुर डिवीजन के कांस्टेबल दीपक चव्हाण ने सर्वेंट क्वार्टर में अपने चेहरे पर गोली मारी। अधिकारी ने बताया कि सोमवार को कांस्टेबल का साप्ताहिक अवकाश था। उन्होंने कहा कि चव्हाण को पहले एलिजाबेथ अस्पताल ले जाया गया लेकिन बाद में उसे बॉम्बे अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां गहन चिकित्सा कक्ष में उसका इलाज चल रहा है। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार यह संदेह है कि पारिवारिक समस्याओं के कारण कांस्टेबल ने यह कदम उठाया। उन्होंने कहा कि चव्हाण कब से राज भवन में तैनात थे यह अभी स्पष्ट नहीं है क्योंकि एसआरपीएफ कर्मचारियों का हर दो महीने में स्थानांतरण किया जाता है।

कांग्रेस-राकांपा का चुनावी घोषणापत्र जारी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

बेरोजगारों को 5 हजार रुपए महीना देने का वादा

न्यूनतन वेतन 21 हजार करने का वादा

इसके अलावा, उच्च शिक्षा के लिए शून्य दर से एजुकेशन लोन, राज्य के प्रत्येक नागरिकों को हेल्थ बीमा, कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 21 हजार रुपए प्रति माह, मराठी भाषा के लिए स्वतंत्र मराठी भाषा यूनिवर्सिटी की बात भी घोषणापत्र में कही गई है।

80 फीसदी नौकरी भूमिपुत्रों को देने का वादा

घोषणा पत्र में महानगर पालिका के अंतर्गत 500 स्क्वायर फुट के घरों को टैक्स फ्री करने, नए उद्योगों में 80 फीसदी नौकरी भूमिपुत्रों को देने के लिए कानून लाने की बात कही गई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस-राकांपा के कई दिग्गज नेता मंच पर मौजूद थे।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस- राकांपा गठबंधन (अघाड़ी) ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। मुंबई के यशवंतराव चव्हाण हॉल में आयोजित कार्यक्रम में दोनों पार्टियों ने आने वाले पांच वर्षों के लिए घोषणा पत्र के जरिए अपना विजन बताया। गठबंधन के चुनावी घोषणा पत्र में पहली बार ग्लोबल वार्मिंग को जगह दी गई है। इसके अलावा किसानों के लिए फौरन और पूर्ण कर्जमाफी, युवाओं को 5 हजार रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता देने और सरकारी और अनुदानित स्कूलों और कॉलेजों में केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा की बात कही गई है।

अंतिम दिन चुनावी रण से हटे 1504 उम्मीदवार

महाराष्ट्र में अब मैदान में 3239 उम्मीदवार

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अब कुल 3239 उम्मीदवार मैदान में हैं। सोमवार को नामांकन वापसी के आखिरी दिन 4743 उम्मीदवारों में से 1504 उम्मीदवारों ने मैदान छोड़ दिया। मंत्रालय में प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी दिलीप शिंदे ने यह जानकारी दी। विधानसभा चुनाव के लिए कुल 5543 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था। नामांकन पत्रों की छानबीन के बाद 800 उम्मीदवारों का नामांकन अवैध पाया गया था जबकि 4743 उम्मीदवारों के नामांकन वैध पाए गए थे। इनमें से 1504 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। जिसके बाद अब 3239 उम्मीदवार चुनाव मैदान में बचे हैं। विधानसभा चुनाव में रत्नागिरी की चिपलूण सीट पर सबसे कम 3 और नांदेड़ दक्षिण सीट पर सबसे अधिक 38 उम्मीदवार चुनाव में हैं। शिंदे ने बताया कि जिन सीटों पर 15 से अधिक उम्मीदवार हैं वहां पर मतदान के लिए दो ईवीएम मशीनों की जरूरत पड़ेगी। विधानसभा चुनाव के लिए 21 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे जबकि चुनाव परिणाम 24 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। इससे पहले प्रदेश में साल 2014 के विधानसभा चुनाव में 4119 उम्मीदवार उतरे थे।

जिलेवार सीट और उम्मीदवार

- नंदूरबार की 4 सीटों पर 26 उम्मीदवार
- धुलिया की 5 सीटों पर 38 उम्मीदवार
- जलगांव की 11 सीटों पर 100 उम्मीदवार
- बुलढाणा की 7 सीटों पर 59 उम्मीदवार
- अकोला की 5 सीटों पर 68 उम्मीदवार
- वाशिम की 3 सीटों पर 44 उम्मीदवार
- अमरावती की 8 सीटों पर 109 उम्मीदवार
- वर्धा की 4 सीटों पर 47 उम्मीदवार
- नागपुर की 12 सीटों पर 146 उम्मीदवार,
- भंडारा की 3 सीट पर 42 उम्मीदवार,
- गोदिया की 4 सीटों पर 47 उम्मीदवार
- गडचिरोली की 4 सीटों पर 38 उम्मीदवार
- चंद्रपुर की 6 सीटों पर 71 उम्मीदवार
- यवतमाल की 7 सीटों पर 88 उम्मीदवार
- नांदेड़ की 9 सीटों पर 135 उम्मीदवार
- हिंगोली की 3 सीटों पर 33 उम्मीदवार
- परभणी की 4 सीटों पर 53 उम्मीदवार
- जालना की 5 सीटों पर 79 उम्मीदवार
- औरंबागाद की 9 सीटों पर 128 उम्मीदवार
- नाशिक की 15 सीटों पर 148 उम्मीदवार
- पालघर की 6 सीटों पर 53 उम्मीदवार
- ठाणे की 18 सीटों पर 214 उम्मीदवार
- मुंबई उपनगर की 26 सीटों पर 244 उम्मीदवार
- मुंबई शहर की 10 सीटों पर 89 उम्मीदवार
- रायगड की 7 सीटों पर 78 उम्मीदवार
- पुणे की 21 सीटों पर 246 उम्मीदवार
- अहमदनगर की 12 सीटों पर 116 उम्मीदवार
- बीड़ की 6 सीटों पर 155 उम्मीदवार
- लातूर की 6 सीटों पर 79 उम्मीदवार
- उस्मानाबाद की 4 सीटों पर 50 उम्मीदवार
- सोलापुर की 12 सीटों पर 154 उम्मीदवार
- सातारा की 8 सीटों पर 73 उम्मीदवार
- रत्नागिरी की 5 सीटों पर 32 उम्मीदवार
- सिंधुदुर्ग की 3 सीटों पर 23 उम्मीदवार
- कोल्हापुर की 10 सीटों पर 106 उम्मीदवार
- सांगली की 8 सीटों पर 68 उम्मीदवार

इससे पहले प्रदेश में साल 2014 के विधानसभा चुनाव में 4119 उम्मीदवार उतरे थे

सबसे कम उम्मीदवार वाली सीटें

प्रदेश में रत्नागिरी की चिपलूण सीट पर सबसे कम 3 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि नंदूरबार की शहादा में 4, अहमदनगर की अकोले सीट पर 4, मुंबई की माहिम सीट पर 4, बोरिवली में 4 और बांद्रा पश्चिम सीट पर 4 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं।

सबसे अधिक उम्मीदवार वाली सीटें

राज्य में नांदेड़ दक्षिण सीट पर सबसे अधिक 38 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। जबकि औरंगाबाद पूर्व पर 34 और जालना सीट पर 32 उम्मीदवार उम्मीदवार उतरे हैं।

भोकर में 135 ने पर्चा भरा था अब बचे केवल 7

नांदेड़ की भोकर सीट पर 135 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था पर आश्चर्यजनक रूप से अब यहां सिर्फ 7 उम्मीदवार ही चुनाव मैदान में बचे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। इसलिए इस सीट पर पूरे प्रदेश की निगाहें हैं। यहां नामांकन पत्रों की छानबीन में 44 उम्मीदवारों के नामांकन रद्द हो गए थे। जिसके बाद इस सीट पर 91 प्रत्याशी बचे थे लेकिन सोमवार को नामांकन वापसी के अंतिम दिन 91 में से 84 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। अब भोकर सीट पर केवल 7 उम्मीदवार मैदान में हैं।

कांग्रेस के टिकट पर पूर्व सीएम के दो बेटे चुनाव मैदान में

महाराष्ट्र के लातूर जिले में पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के दो बेटे अमित और धीरज कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। दोनों भाई की विधानसभा क्षेत्र एक-दूसरे के पड़ोस में है। लातूर शहर विधानसभा से जहां अमित मैदान में हैं। वहीं, उनके भाई धीरज लातूर ग्रामीण सीट से पहली बार चुनावी दंगल में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनके तीसरे भाई रितेश देशमुख फिल्म स्टार हैं। लातूर में अमित के खिलाफ भाजपा ने शैलेश लाहोटी को मैदान में उतारा है। वहीं लातूर ग्रामीण से शिवसेना के सचिन देशमुख धीरज के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। सचिन भी पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के परिवार से ताल्लुक रखते हैं।

कांग्रेस का गढ़ रहा है लातूर

लातूर शहर विधानसभा सीट कांग्रेस का गढ़ मानी जाती है। यहां 1957 से लेकर अब तक सिर्फ दो बार कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है। 2009 और 2014 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस प्रत्याशी अमित देशमुख यहां से जीत दर्ज कर चुके हैं। वहीं, लातूर ग्रामीण सीट पर अब तक 12 बार चुनाव हुए हैं, जिसमें 11 पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है।

नामांकन के वक्त रितेश भी थे

अभिनेता रितेश देशमुख अपनी पत्नी जेनेलिया के साथ अमित और धीरज के नामांकन के वक्त लातूर में मौजूद थे। चुनावी जनसभाओं में भी रितेश दोनों भाइयों के लिए वोट मांगते नजर आ रहे हैं। इसके अलवा उनकी मां वैशाली ताई देशमुख भी लातूर में बेटों को जिताने के लिए कैम्पेन कर रही हैं।

भाजपा से नाराज हैं स्थानीय नेता

भाजपा को लातूर में अपने नेताओं से विरोध का सामना करना पड़ रहा है। लातूर ग्रामीण से खुद को टिकट का दावेदार बताने वाले भाजपा नेता रमेश कराड ने पार्टी से नाराज होकर निर्दलीय चुनाव में उतरे हैं। माना जा रहा है कि उनका यह कदम भाजपा के वोट बैंक को प्रभावित कर सकता है।

एक दिन का रावण जलाने से क्या होगा?

अशोक भाटिया

दशहरा बुराइयों से संघर्ष का प्रतीक पर्व है, आज भी अंधेरों से संघर्ष करने के लिये इस प्रेरक एवं प्रेरणादायी पर्व की संस्कृति को जीवंत बनाने की जरूरत है। प्रश्न है कौन इस संस्कृति को सुरक्षा दे? कौन आदर्शों के अभ्युदय की अगवानी करे? कौन जीवन-मूल्यों की प्रतिष्ठापना में अपना पहला नाम लिखवाये? बहुत कठिन है यह बुराइयों से संघर्ष करने का सफर। बहुत कठिन है तेजस्विता की यह साधना। आखिर कैसे संघर्ष करें घर में छिपी बुराइयों से, जब घर आंगन में रावण-ही-रावण पैदा हो रहे हों, चाहे भ्रष्टाचार के रूप में हो, चाहे राजनीतिक अपराधीकरण के रूप में, चाहे साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने वालों के रूप में हो, चाहे शिक्षा, चिकित्सा एवं न्याय को व्यापार बनाने वालों के रूप में। दशहरे के दिन एक दिन का रावण तो हम जला लेते है यह समझ कर कि हमने बुराइयों पर विजय पा ली पर यहाँ तो रोजाना किसी न किसी रूप में रावण पैदा हो जाते है। आज पर्यावरण प्रदूषण की समस्या भयावह रूप ले रही है।

इस पर भी प्रश्न हो सकता है कि आदमी गंदगी बढ़ा रहा है जानबूझ कर या अनजाने में? यह निर्विवाद सत्य है कि अगर स्वच्छता की चेतना जाग जाए तो गंदगी हो नहीं सकती। स्वच्छता की चेतना अगर नहीं है तो दुनिया की कोई भी नगरपालिका किसी नगर को साफ-सुथरा नहीं रख सकती। दशहरे पर स्वयं के पापों को धोने के साथ-साथ जरूरत जन-जन के मनों को भी मांजने की है। जरूरत उन अंधेरी गलियों को बुहारने की है ताकि बाद में आने वाली पीढ़ी कभी अपने लक्ष्य से न भटक जाये। जरूरत है सत्य की तलाश शुरू करने की जहां न तर्क हो, न सन्देह हो, न जल्दबाजी हो, न ऊहापोह हो, न स्वार्थों का सौदा हो और न दिमागी बैसाखियों का सहारा हो। वहां हम स्वयं सत्य खोजें। मनुष्य मनुष्य को जोड़ें। दशहरा एक चुनौती बनना चाहिए उन लोगों के लिये जो अकर्मण्य, आलसी, निठल्ले, हताश, सत्वहीन बनकर सिर्फ सफलता की ऊंचाइयों के सपने देखते हैं पर अपनी दुर्बलताओं को मिटाकर नयी जीवनशैली की शुरूआत का संकल्प नहीं स्वीकारते।

164 -VERSOVA VIDHANSABHA CONSTITUENCY
ELECTION 2019
Have A Vision ? Have The Right Decision !
Independent Candidate
Shri KRISHANLAL HANS
Symbol

VOTE!
on 21st October

NEED YOUR SUPPORT & BLESSINGS

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'जले पर कितना नमक छिड़कोगे'

बॉलिवुड सुपरस्टारशाहरुख खान ने दशहरे के दिन ट्विटर पर #AskSRK का एक ओपन सेशन रखा जिसमें उनके फैन्स से उनसे ढेर सारे सवाल पूछे। शाहरुख ने भी फैन्स को निराश नहीं किया और कई सारे सवालों के जवाब दिए। इनमें से कुछ सवाल काफी मजेदार भी थे जिनके शाहरुख ने भी मजाकिया जवाब दिए। जैसे ही शाहरुख ने इस सेशन के बारे में ट्वीट किया, उसके तुरंत बाद ट्वीट्स की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने शाहरुख से पूछा कि वह इस दशहरे के मौके पर अपनी फिल्म 'रा. वन' की सीडी क्यों नहीं जला देते। इसके जवाब में शाहरुख ने कहा, अरे कितना जले पर नमक छिड़कोगे। बता दें कि शाहरुख की इस सुपरहीरो वाली फिल्म में करीना कपूर और अर्जुन रामपाल मुख्य भूमिकाओं में थे लेकिन यह फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हुई थी। हालांकि एक अन्य फैन ने फिल्म की तारीफ में यह भी कहा कि यह फिल्म अपने समय से पहले ही रिलीज हो गई थी। शाहरुख ने एक सवाल के जवाब में यह भी कहा कि 'रा.वन' ही उनके छोटे बेटे अबराम ने देखी है और यह उसकी फेवरिट फिल्म है। अबराम के बारे में ही एक अन्य यूजर ने शाहरुख से पूछा कि वह उसके साथ काम करते कब दिखाई देंगे। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि वह अबराम के शेड्यूल का इंतजार कर रहे हैं ताकि उन्हें उसके साथ काम करने की कुछ डेट्स मिल सकें।

मरते दम तक ऐक्टिंग करते रहना चाहती हैं करीना कपूर

करीना कपूर ने बॉलिवुड इंडस्ट्री में करीब दो दशक पूरे कर लिए हैं। अपने 20 साल के करियर में उन्होंने कई तरह के किरदार पर्दे पर निभाए हैं जिनके कारण वह दर्शकों के दिलों में बसी हुई हैं। ऐक्टिंग को लेकर अपने पैशन पर करीना ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बात की। ऐक्ट्रेस ने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जर्नी को लेकर कहा, ये 20 साल काफी अद्भुत रहे। इस शानदार यात्रा में मैंने कई बेहतरीन लोगों के साथ काम किया। मैं ऐक्टिंग के लिए ही पैदा हुई थी और मुझे महसूस होता है कि इसी को लेकर मैं पैशनेट हूं। करीना ऐक्टिंग से कितना प्यार करती हैं यह बात तब जाहिर हुई जब उन्होंने हमेशा इंडस्ट्री में ऐक्टिव बने रहने की इच्छा जताई। मैं उम्मीद करती हूं कि मैं अपनी जिंदगी के अंत तक ऐक्टिंग करती रहूं। ऐक्ट्रेस के वर्क फ्रंट की बात करें तो करीना कपूर जल्द ही फिल्म 'गुड न्यूज' में नजर आएंगी जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार और दिलजीत दोसांझ लीड रोल में नजर आएंगे। इसके साथ ही करीना ने कुछ दिनों पहले ही लंदन में फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' का शूटिंग शेड्यूल पूरा किया है जिसमें इरफान खान लीड रोल में हैं। वहीं करण जौहर के ड्रीम प्रॉजेक्ट माने जाने वाली फिल्म 'तख्त' में भी करीना अहम रोल निभाती नजर आएंगी।

पापा बोनी कपूर की फिल्म में 'बॉम्बे गर्ल' बनेंगी जाह्नवी

प्रड्यूसर बोनी कपूर और ऐक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर अभी भले ही सिर्फ एक फिल्म पुरानी हैं, लेकिन उनके पास कई बड़ी और इंट्रैस्टिंग फिल्मों की लाइन लग चुकी हैं। जाह्नवी आने वाले दिनों में गुंजन सक्सेना की बायॉपिक 'द कारगिल गर्ल', 'तख्त', 'दोस्ताना 2', 'रूही-अफजा' जैसी चर्चित फिल्मों में नजर आएंगी। अब इस कड़ी में एक और फिल्म 'बॉम्बे गर्ल' का नाम भी जुड़ गया है। खास बात यह है कि इस फिल्म में जाह्नवी पहली बार अपने पापा बोनी कपूर के प्रॉडक्शन बैनर तले काम करेंगी। जानकारी के मुताबिक, बोनी कपूर और निमार्ता महावीर जैन एक साथ मिलकर दो पीढ़ियों के अंतर को दिखाने वाली फिल्म 'बॉम्बे गर्ल' बना रहे हैं, जिसमें मुख्य भूमिका जाह्नवी निभाएंगी। इस फिल्म में जान्हवी कपूर एक विद्रोही युवा लड़की के किरदार में होंगी। इस फिल्म को क्लब 60 फेम निर्देशक संजय त्रिपाठी ने लिखा है, जो इसके निर्देशन का जिम्मा भी उठाएंगे। यह फिल्म दो पीढ़ियों के सोच के अंतर को दिखाने के साथ ही उनके बीच रिश्तों की डोर मजबूत करने का संदेश भी देगी। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चला है कि फिल्म में जाह्नवी के साथ कौन-कौन से कलाकार होंगे। बता दें कि जाह्नवी ने हाल में गुंजन सक्सेना की बायॉपिक 'द कारगिल गर्ल' और 'रूही-अफजा' की शूटिंग पूरी की है।